डिजिटल साक्षर - मिशन दस लाख !

देखो, सीखो और बढ़ो

वैश्विक महामारी कोविड 19 की वजह से प्रान्त, राज्य देश और दुनिया भर में बंद हो रहे शैक्षणिक संस्थानों की संख्या बढ़ रही है। हाल ये है कि दुनिया में 80 प्रतिशत से अधिक विद्यार्थी स्कूल जाने में असमर्थ हैं (यूनेस्को, 2020)। ऐसे में प्रथम इन्फोटेक फाउंडेशन (PIF) ने अपनी विशेषज्ञता और संसाधनों को दुनिया के साथ साझा करते हुए सभी के लिए शिक्षा के द्वार खोल दिये हैं, ताकि सीखने से कोई भी वंचित न रहे।
प्रथम इन्फोटेक फाउंडेशन (PIF) के सह-संस्थापक और सीईओ, श्री प्रेम यादव के मुताबिक "हमारी कोशिश है कि डिजिटल शिक्षा से ज़िंदगियां बदले, कोविड 19 महामारी का विद्यार्थियों, युवाओं या किसी पर भी कम से कम प्रभाव पड़े, ऐसे में डिजिटल साक्षर एप बेहद मददगार साबित हो सकता है।"

ये ई-शिक्षा के क्षेत्र में पी ई एफ के वर्षों के अनुभव का निचोड़ है कि मुफ्त ऑनलाइन लर्निंग ऐप **डिजिटल साक्षर** लांच किया गया है। इस पर बहुत से बेहतरीन पाठ्यक्रम मुफ्त में उपलब्ध हैं।
यहां 100 से अधिक पाठ्यक्रम और 5000 से अधिक वीडियो उपलब्ध हैं, जिनमें **अकादमिक** - मूलभूत कौशल, **कारोबार** - रोजगारपरक और सॉफ्ट स्किल, **तकनीकी** - डिजिटल और कोडिंग स्किल, **डिजाइनिंग** - ग्राफिक्स और एनिमेशन स्किल कंटेंट उपलब्ध हैं। इसके अलावा डिजिटल साक्षर प्लेटफॉर्म पर महाराष्ट्र स्कूल बोर्ड पाठ्यक्रम की सामग्री भी डिजिटल रूप में उपलब्ध है ताकि शिक्षण सामग्री को ठोस ंग से समझा जा सके।

प्रथम इन्फोटेक फाऊंडेशन का लक्ष्य है- देश भर में डिजिटल साक्षर ऐप के माध्यम से अगले 2 महीनों में 2 लाख सामुदायिक सदस्यों तक पहुंचना, जिनमें अभिभावक माताएं, विद्यार्थी और युवा शामिल हैं।
पाठ्यक्रम की योजना 3 से 50 वर्ष के यु वर्ग के लिए तैयार की गयी है और यह विद्यार्थियों के मूलभूत कौशल, युवाओं और अभिभावक माताओं के लिए डिजिटल स्किल पर केन्द्रित है।

शिक्षा सामग्री को 5 अलग-अलग श्रेणियों में विभाजित किया गया है।

- उम्र 3 से 5 वर्ष :- शिक्षण सामग्री, सुनने और बातचीत के कौशल पर केंद्रित है।
- उम्र 6 से 10 वर्ष :- रोचक ंग से अंग्रेज़ी में बोलचाल सीखने पर।
- यु 11 से 18 वर्ष:- कंप्यूटर विज्ञान की मूलभूत समझ पर।
- यु 18 से 50 वर्ष:- रोजगारपरकता बढ़ाने के लिए डिजिटल और सॉफ्ट स्किल का उपयोग।
- यु 21 + (अभिभावक माताएं) : खुद के लिए रोजमर्रा की जिंदगी में बुनियादी डिजिटल कौशल और डिजिटल शिक्षा में बच्चों की मदद के लिए।

सामुदायिक जुड़ाव (कम्युनिटी मोबिलाइज़ेशन) - इसमें स्कूल जाने वाले बच्चे, अभिभावक और युवा शामिल होंगे। वे स्कूली शिक्षक जिन्होंने अभिभावकों के साथ व्हाट्सएप ग्रुप बना रखे हैं, इस पहल का हिस्सा होंगे। सरपंचों-पार्षदों और विधायकों जैसे स्थानीय नेताओं से संपर्क साध कर भी डिजिटल साक्षर का महत्व बताया जा सकता है। व्हाट्सएप मैसेज के ज़रिये सामाजिक दूरी (सोशल डिस्टेंसिंग) और सुरक्षा बनाए रखते हुए सामुदायिक जुड़ाव को अंजाम दिया जाएगा।

बैच लक्ष्य : सभी लाभार्थियों के लिए पाठ्यक्रम की अवधि 6 से 10 दिन रखी गयी है। डिजिटल साक्षर पाठ्यक्रम के लिए हर टीम मैंबर दो महीनों में 200 समुदायिक सदस्यों से जुड़ेगा। हर महीने 3 बैच होंगी। प्रत्येक बैच में 30 से 35समुदायिक सदस्य होंगे। श्रेणियों (छात्रों, युवाओं और अभिभावकों) के धार पर वाट्सएप ग्रुप बनाया जाएगा। लाभार्थियों की मूलभूत जानकारी, उनकी उपस्थिति और प्रतिक्रिया एकत्र करने के लिए एक ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन लिंक तैयार किया जाएगा।

अवधि: मई 20 - फेब्रुवारी 2021 (10 महीने)

फेब्रुवारी

अध्याय योजना (लैसन प्लान): अध्याय योजना के अंतर्गत 3 से 5 मिनिट के वीडियो रोज़ाना व्हॉट्सएप ग्रुप पर भेजे जाएंगे। इन वीडियोज़ में स्वयं गतिविधियां संचालित करने के दिशानिर्देश होंगे। बैचेस चलाने के लिए प्रथम इन्फोटेक फाऊंडेशन का एक टीम मेंबर उपलब्ध रहेगा, जो सामुदायिक सदस्यों के बीच शेयर किये गये लर्निंग प्लान समझाने और प्रतिदिन वंटित किये गये कार्य को पूरा करने में मदद करेगा।

पुरस्कार : पाठ्यक्रम के सफल समापन पर ऑनलाइन मूल्यांकन और प्रमाण पत्र उपलब्ध कराये जाएंगे।

प्रथम इन्फोटेक फाऊंडेशन का मानना है कि लॉक डाउन के दौरान डिजिटल साक्षर जैसी पहल, घर में मौजूद लोगों के कौशल को उन्नत बनाने में मददगार साबित होगी। यह डिजिटल डिवाइड (डिजिटल खाई) को पाटने, शिक्षा के क्षेत्र में सूचना प्रौद्योगिकी को अपनाने और नई अर्थव्यवस्था की मांग के मुताबिक 21वीं सदी के कुशल युवाओं को तैयार में मददगार साबित होगा।